University in News on 19 March 2020

AMAR UJALA

लॉ समेत तीन पाठ्यक्रमों में होगा डिजिटल मूल्यांकन

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस के पाठ्यक्रमों में डिजिटल मूल्यांकन होगा। लविवि प्रशासन ने मूल्यांकन में गड़बड़ी के आरोपों के बाद यह बड़ा कदम उठाया है। इस कदम से विवि में व्यवस्था में काफी बदलाव होने की उम्मीद है। इससे मूल्यांकन में पारदर्शिता आएगी और गड़बड़ी की आशंका भी कम होगी। शुरुआती तौर पर डिजिटल मूल्यांकन सिर्फ तीन पाठ्यक्रमों में लागू हो रहा है। अगले साल से इसे सभी पाठ्यक्रमों में लागू किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में इस साल काफी संख्या में विद्यार्थी फेल हुए हैं। विद्यार्थियों ने मूल्यांकन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए काफी हंगामा किया है। इसको देखते हुए विवि प्रशासन ने डिजिटल मूल्यांकन व्यवस्था लागू की है। डिजिटल मूल्यांकन में उत्तर पुस्तिकाएं स्कैन की जाएंगी। परीक्षकों को स्कैन की हुई उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के बाद तुरंत ऑनलाइन अंक चढ़ाने होंगे।

शिक्षकों को कॉपियां भी डिजिटली आवंटित होंगी। इस तरह से उत्तर पुस्तिकाओं को निकालने और रखने का झंझट भी खत्म हो जाएगा। परीक्षक लॉग इन करने के बाद कहीं से भी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर सकेगा। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से बैठकर जांची जा रही उत्तर पुस्तिकाओं की मॉनीटरिंग भी की जा सकेगी।

लविवि ने मूल्यांकन में गड़बड़ी के आरोप के बाद उठाया बड़ा कदम

आरटीआई में तुरंत दी जा सकेगी उत्तर पुस्तिका

डिजिटल मूल्यांकन का फायदा आरटीआई से उत्तर पुस्तिका देने में भी होगा। लविवि में इस समय विद्यार्थियों को उनकी ईमेल आईडी पर उत्तर पुस्तिका ऑनलाइन दी जाती है। विद्यार्थी द्वारा आरटीआई से आवेदन के बाद विद्यार्थी की उत्तर पुस्तिका स्कैन होती है। इसके बाद उसे ईमेल के माध्यम से भेजा जाता है। डिजिटल मूल्यांकन में उत्तर पुस्तिका पहले से ही स्कैन होगी। ऐसे में विद्यार्थियों को आवेदन के बाद ही ईमेल आईडी पर उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करा दी जाएगी।

मूल्यांकन में आएगी पारदर्शिता

लखनऊ विश्वविद्यालय अगली परीक्षा में एलएलबी समेत तीन पाठ्यक्रमों के लिए डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था लागू करने जा रहा है। अगली बार इसे अन्य पाठ्यक्रमों में भी लागू किया जाएगा। इससे पारदर्शिता और मॉनीटरिंग दोनों में फायदा मिलेगा। **-डॉ. अंजनी कुमार मिश्रा,** परीक्षा नियंत्रक, लविवि

लविवि में ई-कंटेंट से पढ़ाई शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कक्षाएं ठप होने के बाद वर्चुअल माध्यम से पढ़ाई शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों ने इसकी शुरुआत की है। केमिस्ट्री विभाग के शिक्षक प्रो. अनिल मिश्रा, पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. मुकुल श्रीवास्तव के साथ ही कई शिक्षक ई-कंटेंट के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी रखने में मदद कर रहे हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विभागाध्यक्षों को ई-कंटेंट तैयार करने तथा उसके माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई कराने का निर्देश दे रखा है।

कक्षाएं बंद होने के बाद कुलपति ने शिक्षकों को सौंपा ई-कंटेंट तैयार करने का जिम्मा

केमिस्ट्री विभाग के प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2004 से इसकी शुरुआत की थी। इसके लिए उन्होंने अपने नाम से वेबसाइट भी बना रखी है। इस वेबसाइट पर उनके लेक्चर अपलोड हैं। विद्यार्थी उनकी सहायता से पढ़ाई कर सकते हैं। इसी तरह प्रो. मुकुल श्रीवास्तव भी पिछले काफी वर्ष से विद्यार्थियों को ई-कंटेंट उपलब्ध कराते थे। कोरोना वायरस की वजह से क्लास ठप होने के बाद इनकी उपयोगिता काफी बढ़ गई है। पत्रकारिता विभाग ने अपना यू-ट्यूब चैनल भी काफी समय से बना रखा है।

लविवि ने तैयार किया सेनेटाइजर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने हैंड सेनेटाइजर तैयार करने का दावा किया है। विभागाध्यक्ष प्रो.नवीन खरे ने लूसेम (लखनऊ यूनिवर्सिटी केमिस्ट्री) के नाम से तैयार उत्पाद बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को दिया। इस टीम में प्रो.नवीन खरे के साथ ही प्रो.अनिल मिश्रा, डॉ. देश दीपक, डॉ. जॉय सरकार और डॉ. रवि शंकर गुप्ता शामिल हैं। लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह सेनेटाइजर अलग अलग अल्कोहल, गुलाब जल, आसुत जल जल से तैयार किया गया है। टीम का दावा है कि इसके कार्यक्षमता व शुद्धता की पूरी गारंटी है। यह त्वचा को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है। शीघ्र ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को क्रम के लिए उपलब्ध होगा। इस पर विवि का शताब्दी लोगो भी मौजूद है।

डेलीगेसी का जिम्मा प्रो. आरपी सिंह को

लखनऊ। लविवि में बुधवार को कई प्रशासनिक पदों में फेरबदल किया गया। डेलीगेसी की जिम्मेदारी अब अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के प्रो. आरपी सिंह को दी गई है। डेलीगेसी के साथ ही भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुवसेन सिंह को ओएनजीसी सेंटर का निदेशक बनाया गया है। जबकि लोक प्रशासन विभाग के प्रो. नंद लाल भारती को ट्रांजिट एंड गेस्ट हाउस की जिम्मेदारी दी गई है। लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

HINDUSTAN

लविवि के रसायन विभाग ने तैयार किया हैंड सैनिटाइजर, शिक्षकों और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगा

विशेषज्ञों ने कोरोना से बचाव के लिए बनाया 'लूकेम'

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

नोवेल कोरोना वायरस को लखनऊ विश्वविद्यालय का 'लूकेम' मुंहतोड़ जवाब देगा। विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने 'लूकेम' नामक एक हैंड सैनिटाइजर तैयार किया है।

दावा है कि यह हैंड सैनिटाइजर न केवल कोरोना वायरस पर काफी असरदार साबित होगा बल्कि युग पूरी तरह से सुरक्षित भी है। रसायन विज्ञान विभाग की टीम ने बुधवार को इसे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सौंप दिया है। शीघ्र ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को क्रय के लिए 'लूकेम' उपलब्ध होगा। विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान के प्रो. नवीन खरे के नेतृत्व में विभाग के 5 सदस्यों की टीम ने इसे तैयार किया है। इसमें, प्रो. अनिल मिश्र, डॉ. देश दीपक, डॉ. जॉय सरकार और डॉ. रवि शंकर गुप्ता भी शामिल है। प्रो. खरे ने बताया कि 'लूकेम' में 3 अलग अलग अल्कोहल, गुलाब जल, आसुत जल और रंगीन एजेंट हैं ताकि 'लूकेम' और दूसरे तरल चीजों में फर्क किया जा सके। डॉ. रवि शंकर गुप्ता ने बताया कि यह सैनिटाइजर 100 प्रतिशत विश्वसनीय है। इसके कार्यक्षमता व शुद्धता की पूरी गारंटी है। डॉ. देश दीपक ने बताया कि 'लूकेम' आपकी त्वचा को भी कोई नुक्सान नहीं पहुचाता। प्रो. अनिल मिश्र ने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को क्रय के लिए 'लूकेम' उपलब्ध होगा। डॉ. जॉय सरकार ने बताया कि विभाग 'लूकेम' को किफायती बनाने की तरफ भी प्रयास कर रहा है।

लविवि रसायन विज्ञान विभाग ने 'लूकेम' नामक एक हैंड सैनिटाइजर तैयार किया है

TOI

LU devises digital tool for teachers

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: As the city inches closer to a lockdown amid coronavirus outbreak, Lucknow University's education department has readied a special four-week online course to train teachers on use of digital tools, which will allow them to remotely hold classes.

The massive open online course (MOOC) titled 'Enhancing life skills through technology (EnList)' has been developed after three years of research to help teachers integrate technology into education and give lectures or provide study materials virtually.

The education department has started using EnList and the university is working on the modalities to make the course available on SWAYAM portal, developed by the HRD ministry.

The research that gave birth to EnList was done by Shipra Srivastava, a scholar at LU's education department, under the guidance of faculty member Kiran Lata Dangwal.

Shipra conducted a survey of digital competence of around 450 teachers at six universities in UP, two central, two state-run and two private. Shipra said EnList was based on Web 2.0 tools, which are free interactive digital programmes for using blogs for interactive lectures, Android-based applications for PowerPoint presentations, and doing online evaluation, among other things.

The four-week MOOC provides knowledge about blogging and can be used to effectively articulate and communicate views digitally through videos and content sharing.